हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 289 देहरादून, बृहस्पतिवार, 11 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

स्मार्ट सिटी के काम मे लापरवाही बर्दाश्त नहीं : प्रेमचंद अग्रवाल 3

केदारनाथ : मौसम खराब, जगह जगह रुके करीब 8 हजार यात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ में दोपहर बाद खराब हो रहे मौसम को देखते हुए प्रशासन ने सोनप्रयाग से पूर्वाह्न 11 बजे बाद श्रद्धालुओं को धाम जाने से रोक दिया। सीतापुर से सोनप्रयाग तक लगभग साढ़े पांच हजार यात्री रोके गए हैं। इधर, गुप्तकाशी व फाटा में भी दो से ढाई हजार यात्री रुके हुए हैं।

बुधवार को सोनप्रयाग में सुबह पांच बजे ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगनी शुरू हो गई थी। सुबह 6 बजे से प्रशासन व पुलिस द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट की मौजदूगी में यात्रियों का पहला जत्था धाम के लिए रवाना किया गया।

प्रशासन द्वारा सबसे पहले मंगलवार को रुके छह हजार यात्रियों को धाम भेजा गया। इसके बाद अन्य यात्रियों ने प्रस्थान किया। सेक्टर मजिस्ट्रेट अरुण राणा ने बताया कि सुबह 10.30 बजे ही लंबी लाइन खत्म हो गई थी। इसके बाद 11 बजे तक आठ-दस हजार यात्री भेजे गए।

केदारनाथ धाम में पहुंच रहे श्रद्धालु बाबा केदार के साथ केदारपुरी के क्षेत्रपाल भगवान भकुंड भैरव के दर्शन भी कर रहे हैं। यहां प्रतिदिन एक हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं, केदारनाथ मंदिर के पीछे स्थित आदिगुरु शंकराचार्य के समाधिस्थल के दर्शनों को भी प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भकुंड भैरव के पुजारी आनंद शुक्ला बताते हैं कि बाबा केदार के दर्शनों के साथ भगवान भैरवनाथ के दर्शन कर पुण्य प्राप्ति होती है।

केदारनाथ धाम में आए दिन हो रही बर्फबारी से तापमान माइनस में जा रहा है जिससे कड़ाके की ठंड हो रही है। ऐसे में यात्रियों को ठंड से बचाने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा जगह-जगह अलाव जलाए जा रहे हैं। वहीं, पैदल मार्ग पर हिमखंड जोन पर यात्रियों की मदद के लिए सुरक्षा जवान तैनात किए गए हैं।

चारधाम यात्रियों को मिलेगी राहत अगले दो दिन मौसम रहेगा साफ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 11 मई : उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में अगले तीन दिन मौसम साफ रहेगा। इससे चारधाम यात्रा पर आए तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, मैदानी इलाकों में धूप खिलने से गर्मी परेशान कर सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार के 11 से 12 मई तक प्रदेशभर का मौसम शुष्क रहेगा। जबकि, 13 मई को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक ने कहा कि पर्वतीय इलाकों में मौसम के साफ रहने से चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को राहत मिलेगी। वहीं, मैदानी इलाकों में चटख धूप खिलने से गर्मी परेशान कर सकती है।

चारों धामों में मन्दिर परिसर के 200 मी. के दायरे में मोबाइल, कैमरा हो प्रतिबंधित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीनगर गढ़वाल। नगर पालिका के निवर्तमान सभासद एवं केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहित डा. विनीत पोश्ती ने उत्तराखंड के चारों धामों में मन्दिर परिसर के 200 मीटर की परीधि में बिना अनुमति के मोबाइल फ़ोन, कैमरा ले जाने व वीडियोग्राफी पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध लगाने की मांग की है।

इस संदर्भ में उन्होंने तहसील प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा है। कहा कुछ यू-टयूबर्स की ओर से उत्तराखंड की छवि को धूमिल किया जा रहा है। साथ ही आये दिन इनके द्वारा किस प्रकार से धामों में दुव्यवहार किया जा रहा है, जिससे आस्था एवं जन-भावना को भी ठेस पहुंच रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से तत्काल इस मामले में कार्यवाही की मांग की है।

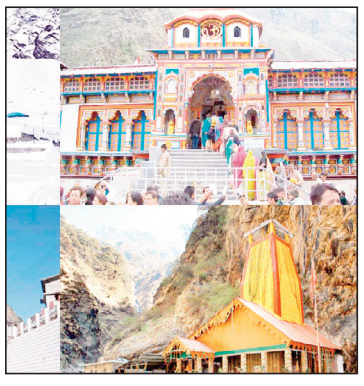

दिवंगत आंदोलनकारी सुशीला बलूनी को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी तथा उत्तराखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बलूनी के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने श्रीमती सुशीला बलूनी के डोभालवाला स्थिति आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथक उत्तराखण्ड के निर्माण में श्रीमती सुशीला बलूनी के योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी श्रीमती सुशीला बलूनी को श्रद्धांजलि दी।

बैंक के लॉकर में अब रख सकेंगे बस ये सामान, RBI ने बना दिए नए नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , अगर आप भी बैंक के लॉकर का इस्तेमाल करते हैं, तो अब उसमें चुनिंदा सामान ही रख पाएंगे. भारतीय रिजर्व बैंक ने इससे जुड़े नियम बदल दिए हैं और बैंकों को नए कॉन्ट्रैक्ट करने के लिए भी कह दिया है.ज्वैलरी से लेकर जरूरी कागजात की सुरक्षा के लिए हम में से कई लोग बैंक के लॉकर का इस्तेमाल करते हैं. अगर आप भी किसी बैंक में लॉकर होल्ड करते हैं या जल्द ही ऐसा करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तब आपको इससे जुड़े नए नियम जान लेने चाहिए. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने इसके लिए बैंकों को निर्देश भी दे दिया है.

आरबीआई का कहना है कि बैंकों को अब अपने ग्राहकों के साथ लॉकर किराये पर देने का कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू करना होगा. नए नियमों के हिसाब से ये कॉन्ट्रैक्ट तैयार होगा, जिसमें स्पष्ट उल्लेख होगा कि ग्राहक अपने लॉकर में किस तरह का सामान रख सकते हैं और किस तरह का नहीं.

लॉकर में रख सकेंगे बस ये सामान

आरबीआई के नए नियमों के मुताबिक अब ग्राहक बैंक लॉकर में सिर्फ ज्वैलरी और जरूरी दस्तावेज जैसे कानूनी तौर पर वैध सामान ही रख सकेंगे. बैंक के साथ होने वाले कॉन्ट्रैक्ट में ग्राहक को डिटेल में बताया जाएगा कि किस तरह के सामान को रखने की अनुमति है और किस तरह के नहीं.इतना ही नहीं बैंक के लॉकर अब सिर्फ ग्राहकों को ही उनके निजी इस्तेमाल के लिए दिए जाएंगे. ये नॉन-ट्रांसफरेबल होंगे. इंडियन बैंक एसोसिएशन एक मॉडल एग्रीमेंट बनाएगा. इसी के आधार पर बैंक अपने ग्राहकों के साथ किए जाने वाले कॉन्ट्रैक्ट को तैयार करेंगे.

इन सामान के रखने पर रहेगी पाबंदी

कई लोग अपने बैंक लॉकर में ऐसी भी चीजें रख देते हैं जो कानूनी तौर पर वैध नहीं होती. कई बार ये नुकसानदायक भी होती है. अब आरबीआई ने ये भी साफ कर दिया है कि ग्राहक अपने लॉकर में कौन-कौन से सामान नहीं रख सकते हैं. केंद्रीय बैंक की ओर से कहा गया है कि अब ग्राहक अपने लॉकर में कैश या फॉरेन करेंसी नहीं रख सकेंगे. इसी के साथ हथियार, ड्रग्स या दवाएं, कॉन्ट्राबैंड या कोई घातक या जहरीला सामान रखने पर भी पाबंदी होगी.

बैंक को मिलेगी इन जिम्मेदारियों से मुक्ति

इसी के साथ बैंक और ग्राहक के बीच जो एग्रीमेंट साइन होगा. उसमें बैंक को कई तरह की जिम्मेदारियों से मुक्ति मिल जाएगी. जैसे बैंक लॉकर के पासवर्ड या चाबी का दुरुपयोग होने या अवैध तरीके से इस्तेमाल किए जाने की स्थिति में बैंक की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी. इसकी जिम्मेदारी ग्राहक की ही होगी. वहीं ग्राहक के पास अधिकार होगा कि वो अपना सामान लॉकर में रख सके. बैंक को उसकी सुरक्षा करनी होगी और अगर बैंक ऐसा करने में विफल रहता है तो उसे समय-समय पर इससे जुड़े नियमों के तहत ग्राहक को हर्जाना देना होगा.

लड़कियों के लिए भी जरूरी है वेटलिफ्टिंग, इसके फायदे हैरान कर देंगे?

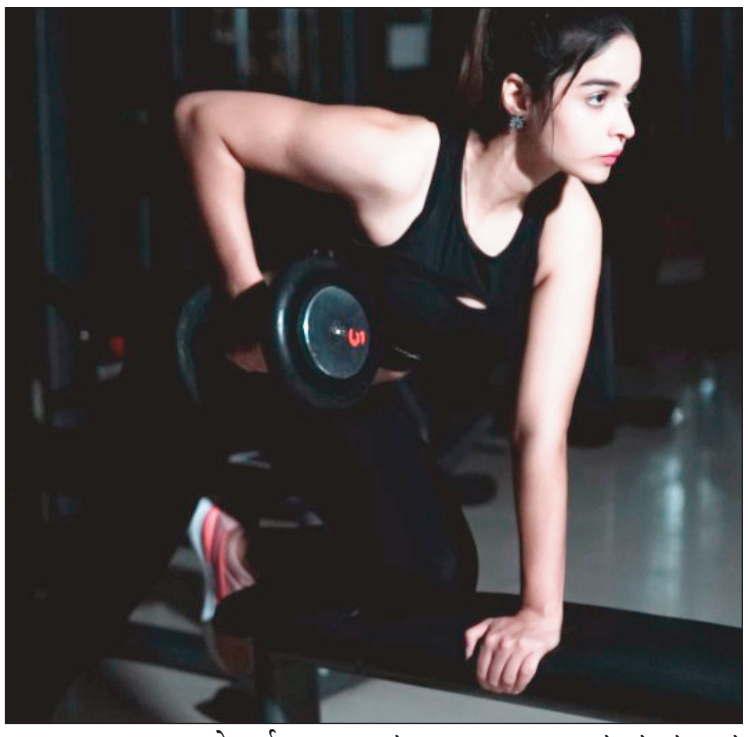

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 मई : कुछ महिलाओं का मानना है कि उन्हें वेटलिफ्टिंग नहीं करनी चाहिए और ज्यादा वजन उठाने से उनके शरीर में कुछ नुकसान हो सकते हैं। यही कारण है कि जिम जाने वाली या रोजाना वर्कआउट करने वाली महिलाओं में से भी ऐसी बहुत ही कम महिलाएं हैं, जो वेटलिफ्टिंग करती हैं। दूसरी एक्सरसाइज की तरह वेटलिफ्टिंग के भी अपना अलग फायदे होते हैं। और वो सिर्फ पुरुषों को ही नहीं महिलाओं को भी मिलते हैं। रिसर्च के अनुसार महिलाओं में पुरुषों की तुलना ज्यादा चर्बी होती है और इसलिए उनके लिए भी एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। वजम कम करने के लिए वेटलिफ्टिंग बेहद जरूरी है और इसकी मदद से आप जितना मर्जी चाहे वेट कम कर सकती हैं। हालांकि, महिलाओं के स्वास्थ्य, प्रेगनेंसी और पीरियड्स के समय को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक्सपर्ट्स से इस बारे में सलाह लेनी चाहिए, कि वे कब कितना वजन उठा सकती हैं।

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान है और एक्सरसाइज और डाइट से भी इतना फर्क नहीं पड़ रहा है, तो अपने एक्सरसाइज रूटीन में वेटलिफ्टिंग भी शामिल करें। वेट ट्रेनिंग से मांसपेशियों की सघनता बढ़ती हैं, जो वजन अधिक कैलोरी को बर्न करने में मदद करती हैं।

आप आज से ही किसी हेल्थ प्रोफेशनल की सलाह के अनुसार, वेटलिफ्टिंग शुरू कर सकती हैं। मांसपेशियों और हड्डियां का मजबूत होना शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। मांसपेशियों को हड्डियों में कमजोरी होना ही गिरने, फिसलने या अन्य दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ़ाता है। वेटलिफ्टिंग की मदद से मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है। आजकल के बिजी लाइफ-स्टाइल और खराब खानपान के चलते खासतौर पर महिलाओं को इसकी बहुत जरुरत है हालांकि, वैसे तो वेटलिफ्टिंग महिलाओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और फायदेमंद है। लेकिन इसके दौरान इन 6 बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है 1> शुरुआत में कम वजन उठाना और धीरे-धीरे कुछ हफ्तों में उसे बढ़ाना, 2 > क्षमता से ज्यादा वजन उठाने की कोशिश न करें 3> जिम इंस्ट्रक्टर की देखरेख में ही वेट ट्रेनिंग करें , 4 >वेटलिफ्टिंग करने के लिए उसकी स्पेशल डाइट लेना भी जरूरी है, 5 > सेफ्टी पिन और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का इस्तेमाल करें , 6 > मासिक धर्म के दौरान आप वेटलिफ्टिंग से रेस्ट ले सकती हैं।

कहीं आपका अकाउंट भी तो लावारिस नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , क्या आप सोच सकते हैं कि बैंकों में 35 हजार करोड़ रुपए की रकम ऐसी है, जिसका कोई वारिस ही नहीं है। इस लावारिस पैसे को लेकर सरकार जल्द कोई कदम उठा सकती है। बैंकों और अन्य फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशंस में पड़ी बिना दावे वाली रकम को संबंधित लोगों तक पहुंचाने के लिए जल्द ही कैम्पेन चलाया जाएगा।

35 हजार करोड़ की रकम के सेटलमेंट के लिए चलेगा कैम्पेन

बता दें कि बैंकों में पड़े 35 हजार करोड़ रुपए का कोई दावेदार नहीं है। हाल ही में हुई फाइनेंशल स्टेबिलिटी एंड डेवेलपमेंट काउंसिल की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेगुलेटर्स से कहा था कि वे इस लावारिस रकम के सेटलमेंट के लिए स्पेशल कैम्पेन चलाएं। बता दें कि 35 हजार करोड़ की ये रकम बैंक डिपॉजिट के अलावा बैंकिंग शेयरों, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड और इंश्योरेंस सेक्टर में जमा है।

किसे कहेंगे बिना दावे वाली रकम?

बिना दावे वाली या लावारिस रकम उसे माना जाता है, जब किसी डिपॉजिट में 10 साल या उससे ज्यादा समय से कोई एक्टिविटी, ट्रांजेक्शन या डिपॉजिट नहीं हुआ है। कहने का मतलब है कि पैसा जमा करने वाले ने न तो कुछ डिपॉजिट किया और ना ही किसी तरह का कोई ट्रांजेक्शन किया। कई बार लोग अकाउंट खुलवा लेते हैं, लेकिन उस खाते को बहुत कम या ना के बराबर ऑपरेट करते हैं। इस्तेमाल नहीं होने पर वो उस खाते को बंद कराना भूल जाते हैं। ऐसे में इन खातों में जमा रकम को भी लावारिस ही माना जाता है।

बैंकों ने रिजर्व बैंक को सौंपी 35 हजार करोड़ की रकम

इसके अलावा कई मामले ऐसे भी होते हैं, जब अकाउंट होल्डर की मौत हो जाती है। लेकिन नॉमिनी भी बैंक में जमार रकम को पाने के लिए कोई दावा नहीं करता है, या उसे इस बात की जानकारी नहीं होती है। इस तरह की रकम को भी लावारिस ही समझा जाता है। बता दें कि देशभर के तमाम अकाउंट में जमा बिना दावे वाली 35 हजार करोड़ की रकम को इस साल फरवरी में बैंकों ने रिजर्व बैंक को सौंप दिया था।

कैसे पता करें, कहीं आपका अकाउंट भी तो लावारिस नहीं

अगर आप भी जानना चाहते हैं कि कहीं आपका कोई अकाउंट तो लावारिस कैटेगरी में नहीं आ गया है, तो इसके लिए आपको फौरन उस बैंक की ब्रांच में जाकर पता करना होगा। आप चाहें तो बैंक द्वारा मांगे गए जरूरी दस्तावेज देकर अपना खाता फिर से एक्टिव करवा सकते हैं। इसके लिए बैंक आपसे आईडी, एड्रेस प्रूफ और अकाउंट एक्टिव न रखने की वजह पूछ सकता है।

स्मार्ट सिटी के काम मे लापरवाही बर्दाश्त नहीं : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 मई , शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान स्मार्ट सिटी के कार्यों की धीमी गति पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बरसात से पूर्व कार्य पूर्ण करने तथा ट्रैफिक के चलते आवश्यतानुसार रात्रिकाल में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि कार्यों की गुणवत्ता के साथ समझौता न किया जाए। विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में मंत्री डॉ अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री डॉ अग्रवाल ने निर्माण कार्य समय पर पूर्ण न कर पाने पर नाराजगी जताई। डॉ अग्रवाल ने बताया कि स्मार्ट सिटी द्वारा वाटर सप्लाई, फसाड योजना, सीवरेज, ड्रेनेज के कार्य किये जा रहे है, जो कि अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि इनमें ग्रीन बिल्डिंग का कार्य का शिलान्यास के बाद कार्य तीव्र गति से चल रहा है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि लाइब्रेरी का कार्य, परेड ग्राउंड के सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी तरह अन्य कई कार्यों को भी किया गया है।डॉ अग्रवाल ने स्मार्ट रोड के कार्य में तीव्रता न होने पर नाराजगी जताते हुए बरसात से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जगह-जगह सड़क खुदी होने के चलते लोगों को आवागमन में दिक्कतें पैदा हो रही है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि सरकार जनता को सुविधा देने के लिए कार्यवकर रही है, ऐसे में उन्हें दिक्कतें नहीं आनी चाहिए। कहा कि सभी निर्माण कार्यों को वर्षा काल से पहले पूर्ण किया जाए। साथ ही जिन जगहों पर ट्रैफिक के चलते दिन में कार्य करने में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। वहां रात्रि काल में आवश्यकता अनुसार कार्य किया जाए।डॉ अग्रवाल ने निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यों की गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान दिया जाए। जिसकी मॉनिटरिंग भी समय दर समय की जाए।इस मौके पर स्मार्ट सिटी की सीईओ सोनिका, सीजीएम स्मार्ट सिटी जगमोहन सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

स्व० सुशीला बलूनी का योगदान सदियों तक याद रखा जाएगा : सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 मई , भारतीय जनता पार्टी महानगर परिवार की और से महानगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी देहरादून सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने स्वर्गीय श्रीमती सुशीला बलूनी जी के डोभालवाला स्थित आवास पर उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा झंडा औढ़ाकर उनको अंतिम श्रद्धाँजलि दी, नमन किया। इस दौरान महानगर देहरादून स्थित राज्य आंदोलनकारी शहीद स्मारक स्थल में हजारौं की संख्या में नम आँखों से भाजपा कार्यकर्तागण/आंदलनकारी सम्मिलित हुए, वंदनीय बलूनी जी को राज्य सरकार की तरफ से सैन्य सम्मान भी दिया गया।

भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पुज्या बलूनी जी ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया उत्तराखंड बनने के बाद वह राज्य महिला आयोग और राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद की अध्यक्ष रहीं। सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी सुशीला बलूनी जी भले ही आज हमारे बीच में ना हों पर उत्तराखंड निर्माण के लिए उनका योगदान सदियों तक याद रखा जाएगा, वे उत्तराखंड की पहली महिला थीं जो राज्य निर्माण के लिए भूख हड़ताल पर बैठी थीं, उन्होंने राज्य आंदोलन के माध्यम् से हजारों की संख्या में महिलाओं को अपने

साथ जोड़ा इस आंदोलन की आग को प्रचंड रूप देने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई वह कई बार गिरफ्तार भी हुईं और जेल गई पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। ऐसी महान आत्मा को हम सब शत शत नमन करते हैं एवं समस्त महानगरवासी कार्यकर्त्तागण पुण्य दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि हम समस्त उत्तराखंडवासी पृथक उत्तराखण्ड के निर्माण में पुजनीय सुशीला बलूनी जी के योगदान को भी हमेशा याद रखेंगे।

संक्षिप्त खबरें

धार्मिक मर्यादा बिगाडऩे पर 1293 लोगों पर कार्रवाई

हरिद्वार। धर्मनगरी की धार्मिक मर्यादा बिगाडने वाले 1293 लोगों पर पुलिस ने एक सप्ताह में कार्रवाई की है। इनमें 75 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि अन्यों के खिलाफ पुलिस ऐक्ट में कार्रवाई की गई है। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान मिशन मर्यादा को सफल बनाने के लिए एसएसपी अजय सिंह के निर्देशन में कार्रवाई की। एक सप्ताह में पुलिस ने हुड़दंग मचाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई कर मर्यादा का पाठ पढ़ाया। शहर में अशांति एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशा आदि करने वालों पर भी कार्रवाई की गई है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि अभी तक 3.50 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है। हरिद्वार में सभी का स्वागत है, सभी को धार्मिक मर्यादा बनाए रखनी होगी।

ज्वालापुर में घर में घुसकर जेवरात उड़ाए

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में एक घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर ज्वालापुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के सुभाषनगर की गली नंबर ए-12 में मुनीर अहमद परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार को परिवार के साथ अपने अभिभावकों से मुलाकात करने गए थे। इस दौरान किरायेदारों की आवाजाही के चलते मुख्यद्वार पर ताला नहीं लगाया था। आरोप है कि उनकी अनुपस्थिति में घर में घुसकर दो कमरों का ताला तोडक़र अलमारी से सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए। देर शाम वापस लौटने पर उन्हें घटना का पता चल सका। सूचना मिलने पर ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद जांच शुरू कर दी है। सामने आया कि एक संदिग्ध युवक को घटनास्थल के आसपास घूमते हुए देखा गया है, जिसकी शिनाख्त की जा रही है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मामले की जांच कर रहे हैं।

जब तक सूरज चांद रहेगा बलूनी तेरा नाम रहेगा

हरिद्वार। वरिष्ठ राज्य आन्दोलनकारी और उत्तराखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी का खडख़ड़ी स्थित श्मशान घाट में गमगीन माहौल के बीच अन्तिम संस्कार किया गया। श्मशान घाट पर जब तक सूरज चांद रहेगा, बलूनी तेरा नाम रहेगा के उद्घोष लगाए गए। राज्य निर्माण आन्दोलनकारी सुशीला बलूनी को मुखाग्नि उनके पुत्र विनय बलूनी, संजय बलूनी और विजय बलूनी ने दी। लंबे समय से अस्वस्थ चल रही सुशीला बलूनी का बीते मंगलवार की शाम को देहरादून स्थित मैक्स अस्पताल में निधन हो गया था। उनके निधन पर आंदोलनकारियों समेत कई राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया था। बुधवार को खडख़ड़ी श्मशान घाट में विधायक मदन कौशिक, अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, एसडीएम पूरण सिंह राणा, पूर्व दर्जाधारी अशोक वर्मा, विवेकानंद खंडूरी, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, रविंद्र जुगरान, विजय बग्गा, प्रदीप कुकरेती, रामलाल खंडूरी, विकास तिवारी, भावना पाण्डे, त्रिलोचन भट्ट, प्रेम पंचोली, त्रिवेन्द्र सिंह पंवार सहित अन्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बुजुर्ग महिला की हत्या का आरोपी पेंटर गिरफ्तार

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र से लापता बुजुर्ग महिला की गंगनहर में धक्का देकर हत्या की गई थी। ज्वालापुर पुलिस और सीआईयू ने हत्याकांड से पर्दा उठाते हुए सोनाली पुल रुडक़ी में गंगनहर से महिला का शव बरामद कर आरोपी पेंटर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पेंटर ने महिला के घर से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात वापस लौटाने के लिए दबाव बनाने पर तंत्र-मंत्र के जरिए जेवरात बरामद कर लेने का विश्वास दिलाकर बुजुर्ग को घर से बुलाकर हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपी पेंटर की निशानदेही पर घर से चोरी किए गए और महिला के अन्य जेवरात बरामद किए हैं। बुधवार को जिला पुलिस मुख्यालय में एसएसपी अजय सिंह ने इस हत्याकांड का खुलासा किया। एसएसपी ने बताया कि आठ मई को कारोबारी निखिल कुमार निवासी पीठ बाजार ने अपनी मां सुनीता देवी 67 वर्ष की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। ज्वालापुर पुलिस ने बुजुर्ग महिला की तलाश करते हुए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली तब सामने आया कि सुबह करीब आठ बजे वह ई-रिक्शा में एक युवक के साथ बैठकर जा रही है। फुटेज के आधार पर हिरासत में लिए गए ई-रिक्शा चालक ने बुजुर्ग महिला एवं युवक को पथरी रौ पुल के पास छोड़ देने की जानकारी दी। ई-रिक्शा चालक ने महिला के साथ मौजूद रहे युवक का मोबाइल फोन नंबर उपलब्ध कराया। जब महिला एवं उक्त मोबाइल फोन नंबर की सीडीआर निकाली तब सामने आया कि दोनों के बीच पूर्व में बातचीत होती रही है। सीडीआर के आधार पर नसीम पुत्र मीर हसन निवासी मोहल्ला पांवधोई को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में युवक ने बताया कि महिला के घर में रंगाई पुताई का कार्य करने के दौरान उसने जेवरात चोरी कर लिए थे। महिला को उस पर संदेह था इसलिए वह जेवरात लौटाने के लिए दबाव बना रही थी। उसने तंत्र मंत्र के जरिए जेवरात चोरी करने वाले का नाम पता लगने का भरोसा दिलाकर उसे घर से बुलाया। उसके बाद वह उसे पथरी रौ पुल के पास ले गया, जहां से चंद कदम की दूरी पर एक घाट पर ले जाकर तंत्र-मंत्र करने का बहाना बनाकर गंगनहर में धक्का दे दिया। उससे पहले उसने महिला के पहने जेवरात भी उतरवा लिए थे। एसएसपी ने बताया कि आरोपी पूर्व में महिला के यहां पुताई का कार्य कर चुका है। महिला का शव सोनालीपुल रुडक़ी से बरामद हो गया। इस दौरान एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, सीओ ज्वालापुर निहारिका सेमवाल, कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा, सीआईयू प्रभारी रणजीत सिंह तोमर, एसएसआई संतोष सेमवाल मौजूद रहे।

राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग पर जोर

श्रीनगर गढ़वाल। संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड श्रीनगर का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया। उपसमिति के 10 सदस्यीय दल का नेतृत्व संसद सदस्य राज्य सभा रामचन्द्र जांगडा ने किया। इस दौरान हुई बैठक में एनआईटी, उत्तराखंड की ओर से निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी व संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारियो ने भाग लिया। मौके पर समिति के सदस्यों ने एनआईटी में राजभाषा नीति संबंधी निर्देशों के अनुपालन एवं प्रगामी कार्यान्वयन हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग पर जोर दिया गया। निरीक्षण बैठक में सांसद जांगडा ने सभी सरकारी कार्यालयों को राजकीय कार्यों एवं क्रियाकलापों में राजभाषा हिन्दी के बेहतर प्रयोग द्वारा राजभाषा नीति संबंधी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों को शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया। एनआईटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने संस्थान में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यो एवं संस्थान की अन्य गतिविधियों व उपलब्धियों को पीपीटी के माध्यम से समिति के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। कहा एनआईटी में तकनीक और विज्ञान की गतिविधियों के साथ सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए संस्थान में विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यशाला जैसे विभिन्न प्रकार के प्रभावी कार्यक्रमों के माध्यम से संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को हिंदी लेखन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने समिति के समक्ष राजभाषा नीति संबंधी निर्देशों के अनुपालन के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साक्ष्य में दस्तावेज प्रस्तुत किए।

राज्य आंदोलनकारी सुशीला बलूनी को अंतिम विदाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी और महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी को अंतिम विदाई देने दूनवासी उमड़ पड़े। अनेक संगठनों ने उनके डोभालवाला आवास, शहीद स्मारक व हरिद्वार के खडखड़ी घाट पर उन्हें अंतिम विदाई दी। सीएम पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, मेयर सुनील उनियाल गामा समेत आदि ने आवास पर जाकर उन्हें अंतिम पुष्प अर्पित करे। शहीद स्मारक में उन्हें पुलिस ने शस्त्र झुकाकर सलामी दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथक उत्तराखंड निर्माण में सुशीला बलूनी के योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने भी सुशीला बलूनी को श्रद्धांजलि व अंतिम यात्रा को कंधा भी दिया। वहीं सुशीला बलूनी के पार्थिव शरीर को भाजपा का ध्वज ओढ़ाकर डोभालवाला से शहीद स्मारक लाया गया।

विभिन्न संगठनों ने दी अंतिम विदाई

नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ता व राज्य आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी ने सुशीला बलूनी के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि वह राज्य के मुद्दों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहीं। संयुक्त नागरिक संगठन सचिव सुशील त्यागी, अखिल भारतीय समानता मंच के विनोद नौटियाल, बैंक इम्पलाइज एसो. के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन मेंहदीरत्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समिति के मुकेश शर्मा, सिख वेलफेयर सोसाइटी के जीएस जस्सल, गवर्नमेंट पेंशनर्स संगठन के ओमवीर सिंह, क्षत्रिय चेतना मंच महासचिव रवि सिंह नेगी ने भी शहीद स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद की शहीद स्मारक में हुई शोकसभा में संरक्षक नवनीत गुसाईं, जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, प्रभात, धर्मानंद भट्ट, वालेस बावनिया, रामपाल, प्रमिला रावत, प्रभा नैथानी, सत्या डोबरियाल, रेखा शर्मा, अनुराग भट्ट ने सुशीला ध्यानी के साथ बिताए समय को याद किया।

उत्तराखंड : शादी में जा रहे परिवार पर मधुमक्खियों का हमला, ढाई साल के बच्चे की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत 11 मई : उत्तराखंड में बाघ-हाथियों के साथ-साथ मधुमक्खियां भी लोगों के लिए दहशत का सबब बनी हुई हैं। जगह-जगह मधुमक्खियों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। चंपावत में हुई एक ऐसी ही घटना में ढाई साल के बच्चे को अपनी जान गंवानी पड़ी। यहां एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रहे परिवार पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। हमले में ढाई साल के मासूम की मौत हो गई। बच्चा जंगल में खाई में पड़ा था।

कोटकेंद्री गांव में रहने वाला गणेश राम अपनी पत्नी पार्वती, छह महीने की बेटी और ढाई साल के बेटे के साथ एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने पड़ोस के गांव जा रहे थे । साथ में 19 साल का भतीजा मनोज भी था। रास्ते में अचानक मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया।

गणेश राम और उसकी पत्नी पार्वती छह महीने की बेटी को लेकर किसी तरह बच निकले, लेकिन 19 साल का भतीजा मनोज उनके ढाई साल के बेटे कार्तिक को लेकर दूसरी दिशा की ओर भाग गया।

मधुमक्खियां पीछे पड़ीं तो मनोज कार्तिक को जंगल में छोड़कर एसएसबी की खेत ब्यूरी बीओपी पहुंच गया। वहां वह बेहोश हो गया। बाद में मनोज को अस्पताल पहुंचाया गया। देर शाम को मनोज को होश आया तो परिजनों ने उससे कार्तिक के बारे में पूछा। तब मनोज ने बताया कि वो कार्तिक को जंगल में छोड़ आया था। इसके बाद खोजबीन शुरू हुई तो सुबह कार्तिक एक खाई में अचेत अवस्था में मिला। उसकी मौत हो चुकी थी। बच्चे को मधुमक्खियों ने काटा था। इसके अलावा उसके सिर पर भी चोट थी।

घायल मनोज के बेहोश होने पर परिजनों को भी इसका आभास नहीं हुआ कि कार्तिक जंगल में छूटा हो सकता है। उन्हें लगा कि कार्तिक को मनोज ने किसी के पास सुरक्षित छोड़ दिया होगा। अगर कार्तिक के जंगल में छूटे होने का समय पर पता चल जाता तो उसकी जान नहीं जाती। अचानक हुई इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मचा है।

फर्राटा दौड़ में अंशिका और कार्तिक ने मारी बाजी

हरिद्वार। एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स जगजीतपुर में आयोजित दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट-2023 स्पधा के दूसरे दिन खो-खो, टग ऑफ वार, श्री लैग रेस, बास्केटबाल बालीवॉल, क्रिकेट और एथलेटिक्स आदि खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। एथलेटिक्स के 100 मीटर फर्राटा दौड़ के महिला वर्ग में अंशिका चौधरी ने प्रथम, द्वितीय स्थान पर सलोनी चौहान रही। पुरुष वर्ग की 100 मीटर दौड़ में कार्तिक राणा प्रथम और ध्रुव शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। 100म2 रिले रेस में ध्रुव शर्मा व अभिषेक कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में अदीबा व शिवांगिनी की जोड़ी ने बाजी मारी। बास्केटबॉल के पुरुष वर्ग में मुकाबलों में चिराग की टीम बी ने जीत प्राप्त की। टीम में सावन कटारिया, सहजान, नदीम, उदीत व चिन्मय शामिल रहे। महिला वर्ग में प्रियदर्शनी की टीम बी ने खिताब अपने नाम किया। टीम में लवी, साक्षी, सृष्टि, श्रुति आदि शामिल थे। खो-खो प्रतियोगिता में प्रियंका की टीम बी ने रोहिणी की टीम ए को हराकर जीत हासिल की। टग ऑफ वॉर मुकाबलों के महिला वर्ग फाइनल में ने कंचन की टीम बी ने निहारिका की टीम ए को हराकर फाइनल जीता। विजेता टीम में सलोनी चौहान, दिव्यांशी पुरी, जाहन्वी मौर्या, दिव्या चौहान, स्वाती व निधि आदि खिलाड़ी शामिल थे। पुरुष वर्ग के फाइनल में वाशु चौहान की टीम ए ने टीम बी को हराकर जीत दर्ज की। बालीवॉल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग फाइनल में भारत की टीम ई ने शोएब खान की टीम ए को हराया। विजेता टीम में उज्जवल, विधान, जीशान, शिवम व पुनित शामिल थे। क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में आशु वर्मा की टीम ई व सहज चौहान टीम जी ने अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में टीम ई ने टीम जी को हराया। संस्थान के चेयरमैन संदीप चौधरी ने दो दिवसीय स्पोर्टस मीट के सफल आयोजन पर सभी खिलाडियों को बधाई दी। निदेशक डॉ. प्रशांत गौरव ने कहा कि दो दिवसीय खेल आयोजन सम्पन्न होने पर आज सभी खिलाडियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

गढ़वाल विवि की सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताएं 19 से

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि की अंतर महाविद्यालय एवं अंतर संकाय प्रतियोगिताओं की तिथि घोषित किए जाने को लेकर डीएसडब्लू बोर्ड, नियंता बोर्ड व छात्र संघ पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से 19 मई से 22 मई तक अंतर महाविद्यालय और अंतर संकाय प्रतियोगिताएं आयोजित कराए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। गढ़वाल विवि की सांस्कृतिक एवं अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं बिड़ला परिसर श्रीनगर में कराए जाने की मांग को लेकर छात्र संघ पदाधिकारियों ने आंदोलन कर तीन दिनों तक अपने को डीएसडब्ल्यू भवन में कैद कर दिया था। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए गढ़वाल विवि प्रशासन ने इस बार अंतर संकाय और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं को बिड़ला परिसर श्रीनगर में कराए जाने का निर्णय लिया।

रुद्रपुर : दो लड़कियों ने अपनी ही दोस्त को 5 हजार में बेच दिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 11 मई : रुद्रपुर की रहने वाली एक लड़की 10 फरवरी 2023 गायब हो गई थी। परिवार वाले कई महीनों तक उसकी तलाश करते रहे। जांच के दौरान पता चला कि किशोरी बिंदुखेड़ा के रहने वाले धर्मेंद्र के साथ रह रही है। पुलिस ने बच्ची को बरामद कर उससे पूछताछ की तो जो सच सामने आया, उसने पुलिस के होश उड़ा दिए। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि उसकी दो सहेलियों ने ही उसे पांच हजार रुपये में बेच दिया था।

पीड़ित के साथ बार-बार दुष्कर्म होता रहा। वो किसी तरह वहां से भाग जाना चाहती थी, लेकिन डर की वजह से कोई कदम नहीं उठा पाई। किशोरी को बेचने वाली दोनों आरोपी लड़कियां भी नाबालिग हैं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें बालिका संप्रेक्षण गृह कोटद्वार भेजा गया है ।पीड़ित ने बताया कि वो अपनी रुद्रपुर निवासी सहेलियों के यहां गई थीं।

दोनों ही सहेलियां उसे बहला-फुसलाकर लालपुर स्थित होटल में छोड़ आईं। किशोरी ने बताया कि उसकी सहेलियों ने उसे होटल कर्मी देबू कश्यप को पांच हजार में बेचा था। होटल में देबू कश्यप ने उससे दुष्कर्म किया। इससे पहले धर्मेंद्र उसे अपने साथ ले गया था और उसने भी उससे दुष्कर्म किया।

किशोरी के साथ बार-बार दरिंदगी की जाती रही। इस बीच पुलिस आरोपी धर्मेंद्र को तलाशने लगी तो वो पुलिस के डर से उसे रुद्रपुर छोड़कर फरार हो गया। लापता किशोरी लालपुर स्थित होटल में थी। जहां से पुलिस की टीम उसे अपने साथ ले आई। पीड़ित के बयान के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। देबू और धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जबकि किशोरी को बेचने वाली दोनों लड़कियों को बालिका संप्रेक्षण गृह भेजा गया है।

ऋषिकेश एम्स : 27 साल के युवक को लगाई गई पिता की किडनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 11 मई : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स) में 27 वर्षीय युवक की किडनी प्रत्यारोपित कर उसे नया जीवन दिया गया है। युवक को उसके पिता की किडनी लगाई गई है। इसी के साथ एम्स ऋषिकेश उत्तराखंड का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है जहां किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू हुई है। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि नैनीताल का रहने वाला यह युवक किडनी फेलियर की समस्या से ग्रसित था। किडनी प्रत्यारोपण ही अंतिम विकल्प था। हालांकि यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य था जिसे संस्थान की यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और एनेस्थीसिया विभाग की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक पूरा किया। इस प्रक्रिया में एम्स दिल्ली के चिकित्सकों का भी सहयोग रहा। जल्द ही हार्ट ट्रांसप्लांट और लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधा भी जल्द ही एम्स ऋषिकेश में शुरू होगी।

यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल ने बताया कि युवक का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकारी खर्च पर किया गया है। 3 घंटे तक चली प्रक्रिया के बाद 27 साल के युवक को उसके पिता की किडनी लगाई गई। जिसके बाद युवक को 19 अप्रैल से लगातार निगरानी में रखा गया था और अब वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। युवक पूरी तरह स्वस्थ है और उसे शीघ्र ही अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। नेफ्रोलॉजी विभाग की डॉ. शेरोन कंडारी ने बताया कि यह मरीज इमरजेंसी के माध्यम से ओपीडी में आया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई थी। एम्स ऋषिकेश में यह पहला किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। हीमोडायलिसिस करवाने वाले मरीजों को इसका सबसे बड़ा फायदा पहुंचेगा।

चाय-कॉफी छोड़िये, Ice Tea देगी ताज़गी का एहसास, पढ़िए तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , गर्मी में आप कोल्डड्रिंक और चाय कॉफ़ी से ऊब गए हैं तो कुछ टेस्टी बनाइये। इस चुभती-जलती गर्मी में टेस्टी और ठंडक का एहसास देने वाली आइस टी एकदम बेस्ट हो सकती है। यहां देखें ईजी और स्वादिष्ट तरह की अलग अलग आइस टी की रेसिपीज, जिन्हें देखकर आप आसानी से घर पर कैफे स्टाइल की ड्रिंक बना सकते हैं।

चिलचिलाती गर्मी का मौसम आ गया है, ऐसे में आप घर पर ही बढ़िया ड्रिंक्स (Summer Drinks) बनाकर गर्मी की छुट्टी एन्जॉय कर सकते हैं। वहीं अगर गर्मियों के साथ आपको मदर्स डे (Mother's Day) पर भी अपनी मां के लिए कुछ स्पेशल करने का मन है, तो खुद अपने हाथों से लजीज ड्रिंक बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है। घर पर ही ताज़गी और ठंडक का एहसास पाने के लिए आप आइस टी (Ice Tea) की ये आसान सी रेसिपीज ट्राई कर सकते हैं। जो बेशक आपकी मम्मा से लेकर, घर आए मेहमानों को भी (Ice Tea Recipes) बहुत ही ज्यादा अच्छी लगेंगी, देखें कैफ स्टाइल की शानदार आइस टी बनाने (How to make Ice Tea) के लिए ईज़ी रेसिपी -

कैमोमाइल-स्ट्रॉबेरी-ऑरेंज आइस टी : गर्मियों में फलों का जूस बनाने के बजाय पर फलों वाली टेस्टी आइस टी भी बनाकर घर आए गेस्ट्स या मदर्स डे पर मां को सर्व कर सकते हैं। कैमोमाइल, स्ट्रॉबेरी और ऑरेंज फ्लेवर वाली आइस टी बहुत ही टेस्टी ऑप्शन हो सकती है। आइस टी बनाने के लिए आपको अपनी पसंद के फल, टी बैग, शक्कर, नींबू और पानी का इस्तेमाल करना होगा।

अनार और नींबू की आइस टी

अनार के दाने और नींबू के रस वाली ठंडी आइस टी गर्मियों में काफी टेस्टी और रिफ्रेशिंग लग सकती है। वहीं अगर आपको कुछ अलग तरीके वाली आइस टी पीनी है, फिर तो ये रेसिपी आपके लिए एकदम बढ़िया हो सकती है। अनार और लाइम की आइस टी बनाने के लिए आपको 1 कप उबलता पानी, 1 टी बैग, आधा कप अनार का रस, आधा बारीक कटा नींबू, चीनी और बर्फ चाहिए होगा।

लाइम और मिंट की आइस टी

मिंट गर्मियों में आपको लू, डिहाइड्रेशन आदि जैसी दिक्कतों से आसानी से बचा सकती है। इसलिए ताज़गी और एनर्जी के लिए लाइम एंड मिंट आइस टी बनाकर एन्जॉय की जा सकती है। इसके लिए आपको 1 टी बैग, आधा कप पानी, स्वादानुसार शक्कर या कोई कैलोरी फ्री स्वीटनर, नींबू की चीर और पुदीने की पत्तियां इस्तेमाल करनी होंगी। आप लाइम के बजाय सिर्फ मिंट वाली आइस टी भी पी सकते हैं।

क्लासिक स्वीट आइस टी

घर पर ही आप कैफे स्टाइल की क्लासिक आइस टी भी बनाकर उसका लुत्फ उठा सकते हैं। हल्की टी की कडवाहट और शक्कर की मिठास के परफेक्ट कॉम्बिनेशन वाली आइस टी बेशक आपकी मम्मी को बहुत पसंद आएगी। क्लासिक स्वीट आइस टी में आप लेमोनेड का तड़का भी लगा सकते हैं।

पीच आइस टी

गर्मियों की दोपहर में रिफ्रेशिंग एहसास के लिए आप ताज़ी चाय के साथ पीच, शक्कर, और नींबू का रस मिलाकर बढ़िया ड्रिंक बना सकते हैं। आप इसको लंबे समय तक फ्रिज में भी रख सकते हैं।

इन आइस टी के अलावा आप ये मॉकटेल स्टाइल की ड्रिंक्स भी ट्राई कर सकते हैं -

मॉक टी सांग्रियावाटरमेलन एंड बेसिल आइस टीगुडहल टी पंचहिबिसकस स्वीट आइस टीब्लैकबेरी आइस टीक्रेनबेरी टी कॉकटेलआइस ग्रीन टी

समर्स के लिए ये आइस टी वाली रेसिपीज बेशक आपके बहुत ज्यादा काम की हो सकती है। घर में कोई भी मेहमान आए या आप ही ऑफिस, कॉलेज से आकर कुछ ठंडा और टेस्टी पीना चाहते हैं, तो आसान सी आइस टी आपको कभी निराश नहीं करेगी। वहीं मदर्स डे पर अगर आप मां को अपने हाथों से और बहुत प्यार से अगर ये अलग अलग तरह की कैफे स्टाइल आइस टी सर्व करेंगे, तो मज़ा ही आ जाएगा।

कोटद्वार : जंगल में घास लेने गई महिला पर हाथी का हमला, हालत गंभीर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 11 मई : उत्तराखंड के कोटद्वार में जंगली जानवरों की आवाजाही बेहद बढ़ गई है। मानव वन्यजीव घटनाएं तो जैसे बेहद आम हो गई हैं। हाल ही में यहां पर एक हाथी ने महिला पर हमला कर पटक दिया। बता दें कि हादसे के दौरान महिला चारापत्ती लेने गई हुई थी। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली गई जानकारी के अनुसार, सनेह कोटड़ी डांग निवासी महिला सुलोचना देवी (55) पत्नी स्व. पुष्कर सिंह सुबह जंगल में चारा पत्ती लेने गई थी। इस दौरान अचानक झाड़ी से निकलकर हाथी ने महिला पर हमला कर दिया। हाथी ने पहले महिला को दौड़ाया उसके बाद सूंड से उठाकर पटक दिया। उनकी साथी महिलाओं के चिल्लाने पर हाथी भाग गया। साथी महिलाओं ने तुरंत हादसे की सूचना वन विभाग और परिजनों को दी। परिजनों ने महिला को गंभीर हालत में बेस अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

एंड्रॉयड फोन में छुपी हैं ये 3 सीक्रेट Setting , नहीं जानते होंगे आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , फोन के बिना लगता है कि हम एक कदम भी नहीं चल सकते हैं. ये हमारी लाइफस्टाइल का एक हिस्सा बन गया है. इसी को देखते हुए मोबाइल बनाने वाली कंपनियां भी भी फोन में ढेरों नए-नए फीचर्स का एक्सपेरिमेंट करती हैं, ताकि यूज़र्स का एक्सपीरिएंस आए दिन बेहतर होता रहे.हालांकि कुछ लोग ऐसे भी होंगे जो स्मार्टफोन का इस्तेमाल सालों से कर रहे हैं, लेकिन अभी भी वह कई फीचर्स के बारे में यकीनन नहीं जानते होंगे.

1 - फोन की रिस्पॉन्स स्पीड को बढ़ाया जा सकता है:- इसके लिए आपको Settings पर जाना होगा. फिर नीचे की तरफ स्क्रोल करें और यहां आपको System सेक्शन में Build Number मिलेगा.

इसपर आपको 7 बार टैप करना होगा, और आपको डेवलपर होने का मैसेज मिल जाएगा. अब आप पिछले Menu में वापस चले जाएंगे तो देखें System ऑप्शन में आपको Developer ऑप्शन मिल जाएगा.इसमें Window Animation Scale पर जाएं, फिर Transition animation स्केल पर टैप करें और Animator duration scale पर जाएं. अब सबको 0.5x पर सेट कर दें या Off कर दें. अब जब आप कोई मेनू या ऐप खोलेंगे तो बहुत तेजी से खुल जाएगा.

चुनिंदा लोगों की Call अटेंड करना

जब आपके पास किसी भी नंबर से फालतू के पार्ट टाइम जॉब वाले कॉल या मैसेज आते हैं तो यकीनन परेशानी होती है. इस तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए, 'Do Not Disturb' फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं.बहुत कम लोग जानते हैं कि एंड्रॉयड फोन में Do not disturb में Priority मोड भी होता है. हालांकि इसे इस्तेमाल करने के लिए आपको कॉन्टैक्ट लिस्ट में priority सेट करना पड़ेगा.Screen Magnifier: अगर आपकी आंखों की रोशनी कम है तो आप अपने फोन में एक खास सेटिंग कर सकते हैं. स्क्रीन मैग्निफायर फीचर को ऑन करने के लिए, आपको Settings पर जाना होगा, फिर Accessibility पर क्लिक करना होगा, और यहां आपको Magnification ऑप्शन मिल जाएगा.

हेलीकॉप्टर से धाम जाने वाले यात्रियों की होगी स्वास्थ्य जांच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 मई : हेलीकॉप्टर से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की अब हेलीपैड पर स्क्रीनिंग (स्वास्थ्य जांच) की जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और हंस फाउंडेशन की ओर से गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 11 स्थानों पर कियोस्क सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन सेंटरों पर यात्रियों की प्रारंभिक जांच रक्तचाप, शुगर, ऑक्सीजन, धड़कन जांची जाएगी। इसके बाद उसे धाम भेजा जाएगा। साथ ही प्रत्येक यात्री का डेटा बैंक बनाया जाएगा और स्वास्थ्य विभाग को सौंपा जाएगा। ताकि इस डाटा के हिसाब से आगामी यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर की जा सकें।केदारनाथ क्षेत्र विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला क्षेत्र है। यहां श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों से नहीं जूझना पड़े इसके लिए अब उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के बाद ही धाम भेजा जाएगा। इसके लिए केदारघाटी से केदारनाथ के लिए संचालित होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा के सात हेलीपैड पर यात्रियों की स्क्रीनिंग की जाएगी।इन सभी हेलीपैड पर स्वास्थ्य विभाग और हंस फाउंडेशन की ओर से कियोस्क सेंटर स्थापित किए जाएंगे। यहां जांच के दौरान किसी यात्री को कोई भी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत आती है तो उसका प्राथमिक उपचार दिया जाएगा। एक सप्ताह में कियोस्क का संचालन शुरू हो जाएगा। साथ ही सोनप्रयाग सहित अन्य दो पैदल मार्गों पर दो-दो भी कियोस्क लगाए जाएंगे। कियोस्क के जरिए तैयार होने वाले डेटा बैंक के माध्यम से आगामी केदारनाथ यात्रा में चिकित्सा के इंतजाम किए जाएंगे।

उत्तराखंड में अब 10वीं पास महिला-पुरुष ही बन सकेंगे होमगार्ड

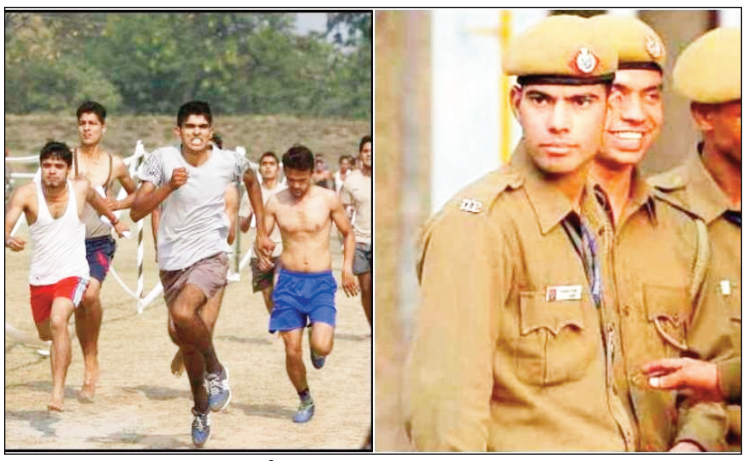

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 मई : उत्तराखंड में होमगार्ड की भर्ती में बड़े बदलाव किए गए हैं। ऐसे में अगर आप होमगार्ड की भर्ती के लिए अप्लाई करना चाहते हैं तो इन तमाम बदले हुए नियमों को जरूर पढ़ लें। बीती भर्ती मानकों में बदलाव का शासनादेश शासन ने बीती चार मई को जारी किया। इसके तहत अब 10वीं उत्तीर्ण महिला-पुरुष ही होमगार्ड भर्ती में शामिल हो सकेंगे। जबकि, पूर्व में पर्वतीय जिलों के लिए शैक्षिक योग्यता पांचवीं पास और मैदानी जिलों के लिए आठवीं पास थी। ऐसे में अब दसवीं से कम पढ़े लोग होमगार्ड के लिए अप्लाई नहीं कर पाएंगे। वहीं पूर्व में भर्ती में शामिल होने के लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष थी, जिसे घटाकर 40 वर्ष कर दिया गया है। जबकि, न्यूनतम आयु पूर्व की भांति 18 वर्ष ही रहेगी। इसके अलावा पुरुष अभ्यर्थियों के लिए लंबाई में छूट का प्रावधान भी किया गया है। पुरुष अभ्यर्थियों को लंबाई में छूट देते हुए इसका मानक नागरिक पुलिस के समान कर दिया गया है। इस क्रम में सामान्य व ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए लंबाई का मानक 167.7 सेमी से घटाकर 165 सेमी किया गया है।

इसी तरह अनुसूचित जाति-जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए लंबाई का मानक 162 की जगह 157.5 सेमी और पर्वतीय क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए 162.7 की जगह 160 सेमी किया गया है। वहीं वर्तमान में होमगार्ड विभाग में 215 महिला होमगार्ड तैनात हैं, जो देहरादून, हरिद्वार और नैनीताल जिले में सेवा दे रही हैं।

इस वर्ष प्रदेश के अन्य 10 जिलों में भी 330 पदों पर महिला होमगार्ड की भर्ती होने जा रही है। इसमें ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, उत्तरकाशी और टिहरी जिला शामिल है। यहां होमगार्ड स्वयंसेवकों की एक-एक महिला प्लाटून की भर्ती की जानी है। छह दिसंबर 2022 को होमगार्ड विभाग के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसकी घोषणा की थी। यह भर्ती प्रक्रिया जुलाई 2023 तक हो सकती है।

बस Hi लिखिए व्हाट्सअप देगा 10 लाख का लोन

ना देने होंगे कागज, ना जाना होगा बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , लोन के लिए हर जरूरतमंद आदमी को बैंक के चक्कर लगाने पड़ते हैं. इस दौरान कागजी कार्यवाही के लिए तरह-तरह के डाक्यूमेंट्स की जेरोक्स और ओरिजिनल कॉपी साथ लेकर चलनी होती है. इस दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए प्राइवेट फाइनेंस कंपनी ने ग्राहकों को वॉट्सऐप पर लोन देने की सुविधा शुरू की है. खास बात है कि आप 10 लाख रुपये तक का लोन आसानी से पा सकते हैं. Loan on Whatsapp एक कंपनी ने बताया कि वह अपने ग्राहकों को 10 लाख रुपये तक का लोन व्हाट्सएप के जरिए देगी. हालांकि, यह बिजनेस लोन होगा और फौरन मंजूर हो जाएगा. आइये आपको बताते हैं आखिर आप कैसे वॉट्सऐप के जरिए लोन ले सकते हैं.

100 फीसदी डिजिटल प्रोसेस से लोन

आईआईएफएल फाइनेंस ने वॉट्सऐप पर ग्राहकों को इंस्टेंट अप्रूवल के साथ ₹10 लाख तक का बिजनेस लोन देने का ऐलान किया है. वॉट्सऐप पर आईआईएफएल फाइनेंस का बिजनेस लोन एमएसएमई लोन इस सेक्टर में अपनी तरह की पहली पहल है, जहां लोन के लिए आवेदन से लेकर डिसबर्समेंट तक 100 फीसदी डिजिटल तरीके से होगा. वॉट्सऐप के जरिए 10 लाख का लोन के लिए ग्राहकों को आवेदन के दौरान एआई-बॉट को कुछ सवालों का जवाब देना होगा. एप्लीकेशन प्रोसेस करने के लिए आप इस वॉट्सऐप नंबर पर 9019702184 पर "हाय" लिखकर भेजें. यह पूरी तरह पेपरलेस प्रक्रिया होगी, जिसमें कोई डॉक्यूमेंट नहीं देना होगा.

नैनीताल में नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना ये खूबसूरत झरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 11 मई : वीकेंड पर किसी झरने में अठखेलियां करने का मन है तो रामनगर चले आइए।यहां पर्यटकों के लिए न सिर्फ खूबसूरत नजारे हैं, बल्कि वन क्षेत्रों से सटे झरने भी हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। कालाढूंगी स्थित कॉर्बेट फॉल ऐसी ही जगह है।हां पहाड़ी से गिरता झरना पर्यटकों को बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है।बीते साल आठ महीने में यहां 66 हजार से ज्यादा पर्यटक पहुंचे, जिससे वन विभाग ने 50.59 लाख रुपये की आमदनी की। कॉर्बेट फॉल कालाढूंगी क्षेत्र नया गांव में स्थित है। इसे एक जुलाई से 30 सितंबर तक बरसात की वजह से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाता है। अन्य महीनों में पर्यटक यहां घूमने आ सकते हैं।घने सागौन के जंगल से घिरा हुआ यह क्षेत्र पर्यटकों को काफी पसंद आता है। यह फॉल रामनगर कार्बेट कार्यालय से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कॉर्बेट फॉल घूमने वालों के लिए 25 रुपये से 1000 रुपये तक का शुल्क रखा गया है। डीएफओ कुंदन कुमार कहते हैं कि कार्बेट फॉल के गेट पर अभी तक ऑनलाइन शुल्क लिया जाता है।

अब वहां पर शुल्क के भुगतान के लिए स्वैप मशीन भी लगाई जा रही है। पहले यहां पर पर्यटकों को नहाने की सुविधा भी दी जाती थी, लेकिन डूबने के खतरे को देखते हुए 8 साल पहले यहां नहाने पर रोक लगा दी गई। हर साल हजारों पर्यटक इस खूबसूरत जगह का दीदार करने पहुंच रहे हैं, जिससे वन विभाग को लाखों की आमदनी हो रही है। वन विभाग यहां पर सुविधाएं विकसित करने पर भी ध्यान दे रहा है।

टिहरी झील में बोटिंग पर भी मौसम का दिखा असर

नई टिहरी। टिहरी बांध की विशालकाय झील में बोटिंग और साहसिक खेलों का लुप्त उठाने के लिए गर्मी के सीजन में देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक पहुंचते हैं। इस साल मौसम की बेरुखी के चलते चारधाम यात्रा के साथ टिहरी बांध की झील में बोटिंग पर भी मौसम का असर दिखा है। आने दिनों में मौसम साफ रहा तो टिहरी बांध की झील में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। मैदानी इलाकों में जैसे-जैसे गर्मी की तपिश बढती है, पर्यटक पहाडों की सैर करने के निकल पडते हैं। चारधाम यात्रा मई और जून के महीने में चरम पर होती है। साथ ही टिहरी बांध की झील में पर्यटक बोटिंग का लुप्त उठाने के बडी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से टिहरी पहुंचते हैं। टिहरी झील में पर्यटकों के सैर सपाटे के लिए वर्तमान समय में स्पीड बोट, सामान्य बोट, बनाना राइडिंग, वाटर स्कूटर, दो पैरासेलिंग सहित कुल 103 बोटें हैं। हाल ही में पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाडा) ने बांध की झील में पैरासेलिंग संचालन की अनुमति दी है। झील में बोटिंग संचालन करने वाले स्थानीय लोग सबसे अधिक कमाई मई और जून के महीनों में करते हैं, लेकिन इस वर्ष मौसम की बेरुखी का असर बोटिंग मालिकों के कारोबार पर भी भारी पडा है। बोट यूनियन के संरक्षक और संचालक कुलदीप पंवार ने बताया कि साल के मई और जून महीने में सबसे अधिक पर्यटक टिहरी झील में बोटिंग के लिए पहुंचते हैं। मई के महीने में बार-बार मौसम खराब होने के कारण अभी तक उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं आ पाया है, आने वाले दिनों में मौसम ठीक रहा तो निश्चित ही बोटिंग करने वाले पर्यटकों की संख्या में बढोत्तरी होगी,और उनकी अच्छी कमाई होगी।

एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह की टीम ने किया 48 घंटे में मर्डर मिस्ट्री का खुलासा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 11 मई , बीते दिनों निखिल कुमार निवासी पीठ बाजार ज्वालापुर द्वारा उनकी माता सुनीता देवी के बिना बताए कहीं चले जाने के संबंध में कोतवाली ज्वालापुर पर गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।पुलिस टीम द्वारा महिला की तलाश हेतु किए जा रहे प्रयासों में सीसीटीवी मददगार साबित हुई जिसमें उक्त महिला दिनांक 08-05-23 को सुबह लगभग 08:00 बजे एक सफेद ई रिक्शा में एक व्यक्ति के साथ बैठ कर जाती हुई दिखाई दी।

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम द्वारा ई रिक्शा चालक की जानकारी करने पर पता चला कि उसके द्वारा महिला व उसके साथ बैठे एक व्यक्ति को ई रिक्शा से पथरी रोह पुल के पास छोड़ दिया गया था जिनके द्वारा रिक्शा चालक का नम्बर लेकर वहीं पर इंतजार करने को कहा गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त महिला व उसके साथ जाने वाले व्यक्ति की कॉल डीटेल की जानकारी की तो दोनों का आपस में बातें करना पाया गया तथा दोनों की लोकेशन पथरी रोह पुल के पास होने पर शक गहरा गया। एक अज्ञात महिला का शव सोनाली पुल के पास मिला जिसकी शिनाख्त अरविन्द कुमार द्वारा अपनी माताजी के रूप से की गयी।

आरोपी की गिरफ्तारी

पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस की मदद से आरोपी नसीम पुत्र मीर हसन निवासी पांवधोई को बाल्मिकी बस्ती ज्वालापुर से दबोचा गया। जिसके द्वारा मृतका सुनीता की नहर में धक्का देकर हत्या करने की बात को कबूला गया।

हत्या का कारण आया सामने

अभियुक्त नसीम द्वारा 12 वर्ष पहले सुनीता देवी के घर पुताई का कार्य किया गया था, जिनके द्वारा 04 माह पूर्व पुनः उसे घर की पुताई का काम सौंपा गया। पुताई के दौरान नसीम द्वारा उनके घर से चांदी व सोने के आभूषण चोरी कर लिए थे जिसका पक्का शक सुनीता देवी को नसीम पर हो गया था। नसीम भी इस बात को समझ गया था।सुनीता देवी द्वारा घर में चोरी की शिकायत पुलिस में करने की बात की गई थी तभी से आरोपी नसीम द्वारा सुनीता देवी को ठिकाने लगाने की योजना बनाई गई थी। नसीम द्वारा प्लानिंग के तहत सुनीता देवी को पूरी तरीके से विश्वास में लेकर झाड़ फूंक वाले के माध्यम से चोर का पता लगाने की बात बताई गयी। जिस कारण सुनीता देवी को नसीम पहले पथरी रोह पुल के पास मजार में ले गया पर भीड़ भाड़ ज्यादा होने के करना अपने इरादों में नाकाम रहा।

आरोपी द्वारा दिनांक 08-05-23 की सुबह पुनः सुनीता देवी को बाल्मिकी चौक के पास बुलाकर ई रिक्शा के माध्यम से पथरी रोह पुल के पास ले गया, जहां सुनसान जगह में पूजा पाठ का बहाना कर सुनीता देवी के कान के कुण्डल व अंगूठी उतरवा ली और गंग नहर में जल चढ़ाने के बहाने धक्का दे दिया और चुपचाप घर चला आया। अभियुक्त की निशानदेही पर घर से चोरी किए गये जेवर एवं घटना वाले दिन सुनीता देवी से उतारे गये जेवर व अन्य सामान बरामद किया गया।

संपादकीय

इमरान फौजी गिरफ्त में

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ जो सलूक किया गया है, वह पाकिस्तान में ही हो सकता है। यह वाकई शर्मनाक और कानून के राज पर कलंक है। इमरान अदालत में मौजूद थे कि खिडकियों के शीशे तोड कर, पाकिस्तान के ही रेंजर्स, अंदर घुसे और इमरान को दबोच लिया। सुरक्षाकर्मियों और वकीलों को मारपीट कर एकतरफ कर दिया गया। वे जख्मी भी हुए। रेंजर्स मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री को घसीटते हुए, कॉलर से पकडे, धकियाते हुए बाहर ले गए और अदालत परिसर में ही गिरफ्तार कर लिया। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी थी-'अदालत में जो कुछ हुआ है, वह माफी के लायक नहीं है। यह कानून का मजाक है। मैं इसकी तह तक जाऊंगा।' मुख्य न्यायाधीश ने हुकूमत के गृह सचिव और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के महानिदेशक को अदालत में तलब किया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। अब न्यायाधीश क्या कर सकते हैं? पाकिस्तान में ही न्यायपालिका की ऐसी नाफरमानी हो सकती है। बहरहाल इमरान की गैर कानूनी गिरफ्तारी की प्रतिक्रिया में पाकिस्तानी अवाम का एक तबका उबल पड़ा है। सडक़ों पर आगजनी, तोडफ़ोड और सेना के प्रतिष्ठानों की घेरेबंदी की जा रही है। एक कोर कमांडर के घर में घुसकर भीड ने बहुत कुछ तहस-नहस कर दिया। कराची, लाहौर से क्वेटा तक पाकिस्तान किसी न किसी शक्ल में जल रहा है यह अराजकता, अव्यवस्था 'गृहयुद्ध' में तबदील न हो जाए, यही आशंका और भय है। अवाम का यह उबलता रोष और विद्रोह इमरान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) का ही समर्थन है। बेशक इमरान के खिलाफ 140 आपराधिक केस बताए जा रहे हैं, बेशक वह सेना के कुछ कमांडरों, आईएसआई और शरीफ हुकूमत के घोर, कटुर आलोचक हैं, उनकी बयानबाजी आपत्तिजनक हो सकती है, बेशक वह भी दूध के धुले हुए नहीं हैं, लेकिन अद्र्धसैन्य बल के रेंजर्स, एक पूर्व प्रधानमंत्री को, अदालत के कक्ष में ही, इस तरह दबोच और गिरफ्तार नहीं कर सकते। यह विशेषाधिकार अदालत का है कि उन्हें क्या सजा दी जाए। उसकी भी एक निश्चित, शालीन प्रक्रिया है। देश के 'महानायक' रहे शख्स पर ऐसी गुंडागर्दी पाकिस्तान में ही की जा सकती है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान में संविधान, न्यायपालिका और जम्हूरियत नाममात्र के और दिखावटी हैं। सिर्फ फौज का ही वर्चस्व है और यही पाकिस्तान का कुरूप यथार्थ है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

बंद होंगे रेलवे काउंटर टिकट -मिलेगी डिजिटल सुविधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अपने टिकट सिस्टम में बदलाव करने जा रहा है. जिससे यात्रियों को रेलवे के जनरल टिकट के लिए स्टेशन पर नहीं जाना होगा. और यात्रियों को लंबी लाइनों से भी छुटकारा मिल जाएगा. यहां तक कि यात्रियों को काउटंर टिकट पर ही नहीं जाना होगा. वह अब घर बैठे ही जनरल टिकट की बुकिंग कर सकते हैं. क्योंकि अभी यात्रियों को रिजर्व्ड और अनरिजर्व्ड टिकट के लिए स्टेशन पर टिकट काउंटर पर जाना पड़ता है.

इसके अलावा आपको अब प्रिटेड टिकट भी रखने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी. क्योंकि भारतीय रेलवे सभी रिजर्व्ड और अनरिजर्व्ड टिकटों की डिजिटल तरीके से बिक्री करेगी. यानि अब रेलवे का टिकट सिस्टम पूरी तरह से डिजिटल होगा और टिकट काउंटर बंद कर दिए जाएंगे. इससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी.मौजूदा समय में अभी सफर करने के लिए करीब 81 फीसदी यात्री

ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं और 19 प्रतिशत यात्री ऑफलाइन टिकट काउंटर पर जाकर खरीदते हैं. काउंटर पर टिकट खरीदने वाले यात्रियों को स्टेशन पर लंबी लाइनों से छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने ये खास कदम उठाया है. जिससे यात्री अब घर बैठे अपने मोबाइल से रिजर्व्ड और अनरिजर्व्ड टिकट बुक कर सकते हैं. इससे यात्रियों के समय काफी बचत होगा.

लंबी लाइनों से मिलेगा छुटकारा

भारतीय रेलवे का टिकट सिस्टम डिजिटल होने से यात्रियों को काफी मिल जाएगी. इससे यात्री समय पर अपना सफर पूरा कर सकेंगे. यात्रियों को टिकट अनरिजर्व्ड टिकट खरीदने की जगह अब ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी. इससे यात्रियों को लंबी लाइनों से छुटकारा मिलेगा. बता दें कि कई बार तो लंबी लाइनों में लगने के कारण यात्रियों की ट्रेन तक छूट जाती थी. लेकिन अब टिकट सिस्टम के डिजिटल होने से ट्रेन नहीं छूटेगी और न ही ट्रेन छूटने का कोई अफसोस होगा.

तहसीलदार और पटवारी में क्या होता है अंतर, किसके पास है अधिक पावर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 मई , तहसीलदार और पटवारी दोनों सरकार में प्रशासनिक पद हैं. वे अलग-अलग कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं और उनकी अलग-अलग भूमिकाएं और जिम्मेदारियां हैं. एक तहसीलदार एक तहसील का प्रभारी प्रशासनिक अधिकारी होता है, जो भारत में एक जिले का एक सब डिवीजन है. तहसीलदार अपने अधिकार क्षेत्र में भूमि रिकॉर्ड और राजस्व संग्रह को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है. उनके पास विवादों को सुलझाने और जुर्माना और जुर्माना लगाने की पावर भी है. वहीं पटवारी भारत में एक ग्राम-स्तरीय राजस्व अधिकारी होता है जो किसी विशेष गांव में भूमि रिकॉर्ड और राजस्व संग्रह को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है. पटवारी भूमि रिकॉर्ड तैयार करने और अपडेट करने, भूमि संबंधी डॉक्यूमेंट्स जारी करने और भूस्वामियों से राजस्व एकत्र करने के लिए जिम्मेदार होते हैं. वे ग्राम-स्तरीय सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रशासन में भी भूमिका निभाते हैं.

सामान्य तौर पर तहसीलदारों के पास पटवारियों की तुलना में अधिक जिम्मेदारियां और शक्तियां होती हैं, क्योंकि वे एक बड़े क्षेत्र के लिए जिम्मेदार होते हैं और उनके पास अधिक प्रशासनिक कर्तव्य होते हैं. हालांकि, दोनों पद भारत में भूमि और राजस्व के प्रशासन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.तहसीलदार और पटवारी भारत के ग्रामीण प्रशासन में दो महत्वपूर्ण अधिकारी हैं. जबकि वे दोनों विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए जिम्मेदार हैं, वे अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों में भिन्न हैं.

तहसीलदार : एक तहसीलदार एक राजस्व अधिकारी होता है जो एक तहसील या सब डिस्ट्रिक्ट के समग्र प्रशासन के लिए जिम्मेदार होता है. वे कानून और व्यवस्था बनाए रखने, विवादों को सुलझाने और राजस्व संबंधी गतिविधियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं. वे राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के बीच कड़ी का काम करते हैं. तहसीलदार अपने संबंधित क्षेत्रों में राजस्व संग्रह, भूमि रिकॉर्ड और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होते हैं. ये अपने क्षेत्र में पटवारियों के काम की निगरानी भी करते हैं.

पटवारी : एक पटवारी एक विलेज अकाउंटेंट होता है जो एक गांव या गांवों के समूह में भूमि रिकॉर्ड को बनाए रखने और अपडेट करने के लिए जिम्मेदार होता है. वे भू-राजस्व के संग्रह, भूमि अभिलेखों के रखरखाव और उन्हें नियमित रूप से अपडेट करने के लिए जिम्मेदार हैं. वे भूमि विवाद भी सुलझाते हैं, भूमि मापते हैं, और फसल की पैदावार का रिकॉर्ड बनाए रखते हैं. पटवारी अपने संबंधित क्षेत्रों के भू-नक्शों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि सभी भूमि लेनदेन सही ढंग से दर्ज किए गए हैं.

एक छात्रा की ईमेल और सीएम का एक्शन

मणिपुर से छात्र-छात्राएं सकुशल लौटे देहरादून एयरपोर्ट पर जताया मुख्यमंत्री धामी का आभार

- जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर फूल मालाएं पहनाकर किया स्वागत
- छात्र-छात्राओं ने कहा, राज्य सरकार के त्वरित प्रयासों से बिना परेशानी हुई वापसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 मई , मणिपुर से 17 लोग सुकशल देहरादून पहुँच गए। इनमें 14 छात्र-छात्राएं एवं एक फैकल्टी व उनके परिवार के दो सदस्य शामिल हैं। देहरादून के जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुँचने पर इन सभी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार की त्वरित मदद से ही वे सभी इतना जल्दी सुरक्षित तरह से देहरादून पहुँच सके।मणिपुर स्थित नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में राज्य के छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

मणिपुर में इनकी सुरक्षा को लेकर अभिभावक खासे परेशान थे। बीते दिनों इन छात्रों की समस्या को समझते हुए मुख्यमंत्री धामी ने मणिपुर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सुरक्षित उत्तराखंड लाने के निर्देश दिए थे। साथ ही इनके लौटने के लिए एयर टिकट आदि की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।इसी क्रम में आज मणिपुर से कुल 17 लोग देहरादून एयरपोर्ट पहुँचे। एयरपोर्ट पर डोईवाला एसडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी ने इन सभी का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। जानकारी के अनुसार 17 में से 10 छात्र-छात्राएं नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, 4 एनआईटी एवं एक फैकल्टी एवं इनके परिवार के सदस्य इसमें शामिल हैं। देहरादून पहुँचने पर सभी छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा उन्हें देहरादून लौटने पर हर तरह से मदद की गई। हवाई जहाज की टिकट कराने से लेकर उनकी मणिपुर में पूरी सुरक्षा का ख्याल रखा गया। बताया कि वे बागेश्वर, अल्मोड़ा, हल्द्वानी, काशीपुर के रहने वाले हैं। इन सभी को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से जिला प्रशासन के वाहनों से आईएसबीटी देहरादून भेजा गया जहां से उन्हें बस के माध्यम से गंतव्यों तक भेजा जाएगा।

लंपी बीमारी पर सरकार अलर्ट चार दिन में 3131 पशु बीमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले चार दिनों में लंपी बीमारी ने तेजी से अपना असर दिखाया है। पूरे राज्य में 3131 नए केस सामने आए हैं। बीमारी के बढ़ते असर को देखते हुए राज्य के भीतर और बाहर पशुओं के ट्रांसपोर्टेशन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। पशुपालन विभाग के डॉक्टरों समेत अन्य स्टाफ के अवकाश निरस्तर कर दिए गए हैं। इसके साथ ही डॉक्टरों के प्रतिनियुक्ति पर जाने को लेकर भी रोक लगा दी गई है।

विधानसभा में लंपी बीमारी की जानकारी देते हुए पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि अभी तक 1669 पशु ठीक हो गए हैं। कुल 32 पशुओं की मौत हुई है। राज्य में कुल 7.42 लाख पशुओं का टीकाकरण हो चुका है। वैक्सीन की 3.23 लाख डोज अभी मौजूद हैं। 80 हजार डोज का बफर स्टाक मौजूद है। सबसे अधिक असर अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ में सबसे अधिक केस सामने आए हैं। गढ़वाल में रुद्रप्रयाग, चमोली और कुछ केस पौड़ी में सामने आए हैं। संक्रमण तेजी से न फैले, इसके लिए एक महीने के लिए राज्य के भीतर और बाहर पशुओं के ट्रांसपोर्टेशन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। कुमाऊं क्षेत्र में बीमारी का अधिक असर होने के कारण वहां अतिरिक्त स्टाफ भेजा जा रहा है। गढ़वाल से टीम भेजी गई हैं। पशुपालकों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने को टोल फ्री नंबर 1962 और हेल्पलाइन नंबर 18001208862 जारी किया गया है। राज्य में इस समय 17 लाख पशु पंजीकृत हैं। अभी 3.50 लाख पशु ऐसे हैं, जिनका वैक्सीनेशन होना शेष है। एक सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराया जाएगा।

पिछली बार 921 पशुओं की हुई थी मौत

सौरभ बहुगुणा ने बताया कि पिछली बार कुल 36223 पशु प्रभावित हुए थे। 35402 पूरी तरह सही हो गए थे। कुल 921 की मौत हुई थी। पूरे उत्तर भारत में बीमारी से निपटने में उत्तराखंड की स्थिति बेहतर रही।

सिर्फ खबरों में बने रहने को धरना दे रहे हरीश रावत

बकाया गन्ना भुगतान को लेकर सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पूर्व सीएम हरीश रावत सिर्फ खबरों में बने रहने को धरना दे रहे हैं। दो दिन पहले ही उन्होंने पूरी स्थिति से अवगत कराया था। इकबालपुर चीनी मिल मैनेजमेंट के खिलाफ केस दर्ज कराया है। धरने में भी किसानों की बजाय नेता मौजूद हैं। कांग्रेस के पास कोई मुद्दे नहीं हैं। वो अब किसानों को ढाल बना रही है।

संक्षिप्त खबरें

डिप्लोमा इंजीनियरों ने उठाई पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग

देहरादून। डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने 2005 के बाद नियुक्त इंजीनियरों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की मांग की है। इसके साथ ही इंजीनियरों ने राज्य में बाहरी एजेंसियों को काम न देने और तबादला एक्ट की खामियों को दूर करने का अनुरोध किया है। डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने बुधवार को भी यमुना कॉलोनी स्थित लोनिवि और सिंचाई मुख्यालय के बाहर धरना दिया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों में 2005 के बाद नियुक्त सभी इंजीनियरों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने तबादला एक्ट की खामियों को दूर करने की मांग की। उन्होंने कहा कि तबादला एक्ट की वजह से कई इंजीनियर सालों पहाड़ पर सेवा देने के बाद भी सुगम में नहीं आ पा रहे हैं। इंजीनियरों ने इस दौरान कनिष्ठ अभियंता को 10 साल की सेवा के बाद 5400 ग्रेड वेतनमान देने, सेवाकाल में तीन प्रमोशन देने, कनिष्ठ अभियन्ता व अपर सहायक अभियन्ता के मोटर साईकिल या स्कूटर भत्ता देने, समूह ख के तहत आने वाले इंजीनियरों को कार भत्ता देने, अन्य विभागों की भांति तीनों ऊर्जा निगमों में इंजीनियरों को 4800 ग्रेड का लाभ 1 जनवरी 2009 से देने और सहायक इंजीनियरों के पदों पर पदोन्नति का कोटा 50 प्रतिशत करने की मांग उठाई। इंजीनियरों ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं करती तो महासंघ उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। धरना स्थल पर महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष एसएस चौहान, महासचिव मुकेश रतूडी, उपाध्यक्ष उपेन्द्र गोयल, सिंचाई विभाग डिप्लोमा इंजीनियर संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष भरत सिंह डांगी, लोनिवि डिप्लोमा इंजीनियर संघ के प्रदेश अध्यक्ष आरसी शर्मा, सुरेश जोशी, मनोज बरगली, विरेन्द्र गुंसाई आदि मौजूद रहे।

पानी की पाइप लाइन डालने के लिए खोदी सडक़ बनी मुसीबत

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव रानीमाजरा में पानी की पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सडक़ पिछले एक माह से खस्ता हाल है। उधर पानी लीकेज के कारण पानी सडक़ पर बह रहा है। ग्रामीण सडक़ पर गिरकर जख्मी हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी ठेकेदार और संबंधित विभाग मौन है। गांव रानीमाजरा में हर घर जल योजना के अंतर्गत डाली गई पानी की पाइप लाइन के चलते जगह-जगह से सडक़ को उखाड़ दिया गया है। विभाग की ओर से ठेकेदार को दिए गए कार्य की सुध लेने वाला भी कोई अधिकारी मौजूद नहीं है। ग्रामीण रामस्वरूप, जितेंद्र, मनोज, राजकुमार, कुलदीप, दीपक सिंह, सुशील, बबलू, राजू, प्रधान प्रतिनिधि चरण सिंह चौहान ने बताया कि पिछले दो माह से ठेकेदार व उसके कर्मचारी गायब हैं और गांव में सडक़ को जगह-जगह से उखाड़ा हुआ है। सडक़ में डाली गई पानी की लाइन भी जगह-जगह से लीकेज हो रही है जिससे हजारों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो यह है। वही, सडक़ की उखाड़ी गई टाइलों में ग्रामीण और राहगीर गिरने से घायल हो रहे हैं। संबंधित विभाग को एक माह से इसकी शिकायत की जा रही है, लेकिन सडक़ व पानी की लाइन की सुध लेने वाला कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं आ रहा है। ग्रामीणों ने जल्द सडक़ व पानी की लाइन की मरमत नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, ग्राम प्रधान विजयता चौहान ने का कहना है कि विभाग द्वारा ठेकेदार को टेंडर दिया गया है। लेकिन ठेकेदार व संबंधित विभाग अधिकारी कार्य पर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अमित सैनी ने बताया विभाग को सूचना दी गई है ठेकेदार जल्द लाइन की मरमत कर सडक़ को ठीक करेगा।

संस्कत विवि के पास अवैध धार्मिक स्थल हटाए जाने की मांग

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र संघ ने डीएम विनय शंकर पांडेय को पत्र भेजकर विवि के पास बने एक अवैध धार्मिक स्थल को हटाए जाने की मांग की है। पहले भी जिला प्रशासन की ओर से विवि के पास एक अवैध धार्मिक स्थल को हटाया जा चुका है। संस्कृत विवि में छात्र संघ के अध्यक्ष सागर खेमरिया ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय की चाहरदीवारी के समीप अवैध रूप से एक धार्मिक स्थल बनाया गया है। धार्मिक स्थल पर समय-समय पर लाउड स्पीकर से ध्वनि प्रदूषण किया जाता है। जिससे विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है एवं उस रास्ते से आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं में भी असुरक्षा का महौल बन रहा है। इससे पूर्व भी विवि परिसर के समीप सिंचाई विभाग की भूमि पर बने एक अवैध धार्मिक स्थल को प्रशासन ने बलपूर्वक हटा दिया था। डीएम को पत्र भेजने वाले छात्रों में छात्रसंघ के कोषाध्यक्ष अमन दुबे, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि मनमोहन शुक्ला, अमन शर्मा, वर्षा चौहान, नेहा पंत, रिया आदि शामिल हैं।

19 यूनिट रक्तदान किया

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज सतीकुण्ड कनखल बुधवार को मां गंगे ब्लड बैंक एवं अस्मिता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के कर्मचारियों और छात्राओं ने 19 यूनिट रक्तदान किया। मुख्य अतिथि शीशराम मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि रक्तदान महादान है। हमें अपनी समस्त शारीरिक जांच सामान्य होने पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए और अपने आस-पास के लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. वीणा शास्त्री ने कहा कि महाविद्यालय सदैव सामाजिक समस्याओं के खिलाफ लड़ा है।